

---

# Agni Ashtottarashatanamastotram

---

## अग्नेः अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Agni AshtottarashatanAmastotram

File name : agnyaShTotttarashatanAmastotram.itx

Category : aShTotttarashatanAma, deities\_misc, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Sambadikshita from Gokarna

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Description/comments : See corresponding nAmAvalI. Names are compiled from Rigveda

Acknowledge-Permission: Shri Kamakoti Kosha Sthanam, Madras, 1973

Latest update : August 15, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 21, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

अग्नेः अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्



ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

अथ अग्नेः अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ।

अकारदिक्रमेण

अजोऽजरोऽजिरोऽजुर्योऽतन्द्रोऽग्निरद्भुतक्रतुः ।

अङ्कयन्नङ्गिरा अर्वन्नुञ्जानः सप्तहोतृभिः ॥ १ ॥

आशृण्वन्नाशुहेमोऽप्य आसन्नासुर आहुतः ।

आदित्य आपिराबाध आकूतिराघृणीवसुः ॥ २ ॥

इधान इद्ध इन्धानो दधत्सहस्त्रिणीरिषः ।

ईड्य ईलेन्य ईशान ईषयन्निळ ईळितः ॥ ३ ॥

उक्थ्य उक्षन्नुक्षमाण उक्षान्नो दिवमुत्पतन् ।

ऊर्जःपुत्र ऊर्जसन ऊर्ध्व ऊर्जोन्पादूशन् ॥ ४ ॥

ऋजूयमानः पृथिवीमुतद्यामृत ऋत्वियः ।

ऋतप्रवीत ऋतचिदृतावदन्ध ऋग्मियः ॥ ५ ॥

ऋषूपां पुत्र ऋषिकृदृतवृधृतुपा ऋभुः ।

ऋषीणां पुत्र ऋषभ ऋभव ऋतुपतिर्ऋषिः ॥ ६ ॥ ऋतुपाति

ओषधीनां गर्भ एक ओजिष्ठश्चर्षणीसदाम् ।

ककुत्ककुद्मान्क्रतुवित् कृष्णयामः कनिक्रदत् ॥ ७ ॥

कण्वतमः कण्वसखः केवलः कृष्णवर्तनिः ।

कपिः कविः कवितमः कविशस्तः कविक्रतुः ॥ ८ ॥

कविप्रशस्तः कृष्णाध्वा क्रव्यादः क्रव्यवाहनः ।

क्षत्राणि धारयन् क्षत्रः क्षपावान् क्षत्रभृत् क्षयः ॥ ९ ॥

गणश्रीश्चरथां गर्भोऽपां गर्भो गातुवित्तमः ।

बह्वीनामपसां गर्भस्थातां गर्भो गुहाहितः ॥ १० ॥

गृत्सो गृहपतिर्गृधुर्गोपा घोरश्चनोहितः ।

जातवेदास्तपुर्मूर्धा दीर्घतन्तुर्धृतव्रतः ॥ ११ ॥

बृहद्भानुर्मधुवचा यज्ञो रणवो वनस्पतिः ।


देवानामवगम्याग्नेः नाम्नामष्टोत्तरं शतम् ॥ १२ ॥

॥ अग्नेः अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


Encoded by Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---

——  
*Agni Ashtottarashatanamastotram*

pdf was typeset on August 21, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

